सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 105 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 19 मई, 2025

द्वस्रद्वस्रद्वस्र द्वस्रद्वस्रस्र द्वस्रद्वस्रद्वस्रद्वस्र ।

–द्वस्र द्वस्र स्र

हनुमान बेनीवाल के बयान पर... 7 | दोस्त-दोस्त न रहा... ट्रंप का... 3 | बयानबाजी पर लगाम लगाएं... 2

भाजपा नेता विजय शाह को फिर 'सुप्रीम' फटकार

- कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर हुई सुनवाई
- शीर्ष कोर्ट ने जांच के लिए एसआईटी की गठित
- मध्य प्रदेश से बाहर के तीन आईपीएस अधिकारियों की कमेटी करेगी वीडियो की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मिनिस्टर कुंवर विजय शाह को आज सुनवाई के दौर खूब खरी-खोटी सुनाई। सुप्रीम सुनवाई के दौरान पीठ किसी भी कीमत पर विजय शाह की माफी को नकाफी बताया और काह कि आप के वीडियो को यहां दिखाना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह मंत्री द्वारा मांगी गई माफी को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है और एसआईटी से जांच कराने के बाद फैसला करेगी।

पूरा देश आप पर शर्मिंदा है : कोर्ट

कोर्ट ने कहा, ये एक ऐसा देश है जो कानून के शासन में विश्वास करता है। चाहे वह छोटा हो या बड़ा। न्यायाधीश किसी के खिलाफ पूर्वाग्रह नहीं रखते। इस न्यायालय के आदेशों से किसी को नुकसान नहीं होगा। पूरा देश आप पर शर्मिंदा है। यह आप पर निर्भर है कि आप खुद को कैसे सुधारते हैं। हमने कुछ भी निर्देश नहीं दिया है। यह कहना कि हाईकोर्ट ने आपको दोषी ठहराया है, सही नहीं है।

भाजपा ले सकती है विजय शाह के पार्टी में भविष्य को लेकर फैसला

माना जा रहा है कि इस सुनवाई के बाद ही पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व मंत्री शाह के भविष्य को लेकर अंतिम निर्णय ले सकता है। इस पूरे मामले ने संगठन के सामने एक जटिल परिस्थिति खड़ी कर दी है। सूत्रों के अनुसार मंत्री शाह ने पार्टी नेतृत्व से राजनीतिक भविष्य की सुरक्षा की गारंटी मांगी है। हालांकि, मामले की शुरुआत से ही शाह इस्तीफा देने से इन्कार कर रहे हैं। शाह का कहना है कि उन्होंने पहले ही अपने बयान पर खेद व्यक्त कर लिया है और माफी भी मांग ली है। उनका कहना है कि इसके बावजूद कोई इस्तीफा मांग रहा है तो बताएं कि किसके कहने पर इस्तीफा दें और उनका राजनीतिक भविष्य क्या होगा?

विपक्ष हमलावर, इस्तीफे की मांग पर अड़ा

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल विजय शाह को मंत्री पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। एफआईआर दर्ज होने के बाद विपक्षी दलों ने विरोध को और तेज कर दिया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजधानी भोपाल में जगह-जगह प्रदर्शन किए। पार्टी विधायकों ने राजभवन जाकर राज्यपाल से मुलाकात की और मंत्री शाह को तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की। विपक्ष का आरोप है कि संवेदनशील मुद्दे पर मंत्री के गैर-जिम्मेदाराना बयान ने न केवल सैन्य बलों का अपमान किया है, बल्कि सामाजिक सद्भाव को भी ठेस पहुंचाई है।

सुप्रीम कोर्ट की विजय शाह को नसीहत

अलावा सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान विजय शाह को नसीहत देते हुए कहा कि आप एक सार्वजनिक व्यक्ति हैं। एक अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं। आपको बोलते समय अपने शब्दों पर विचार करना चाहिए। हमें आपका वीडियो यहां प्रदर्शित करना चाहिए। यह सशस्त्र बलों के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। हमें बहुत जिम्मेदार होने की जरूरत है। एसआईटी में एक महिला अधिकारी भी सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक एसआईटी भी गठित की है। इसमें तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को रखा गया है। इनमें एक महिला अधिकारी भी होंगी। यह तीनों ही अफसर मध्य प्रदेश के बाहर के होंगे और कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ दिए गए मंत्री के बयान को लेकर जांच करेंगे।

सजा मिलनी तय

सुप्रीम कोर्ट के तेवर बता रहे है कि विजय शाह पर कार्रवाई निश्चित है। विजय शाह के बयान से सुप्रीम कोर्ट काफी नाराज है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट के स्वत: संज्ञान के बाद विजय शाह रिलीफ के लिए सुप्रीम कोर्ट गये थे और वहां उन्हें रिलीफ के बजाए सजा मिलती दिखायी दे रही है।

हाई कोर्ट से रिटायर्ड जजों को मिलेगा वन रैंक वन पेंशन

हाई कोर्ट के रिटायर्ड जजों की पेंशन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट से रिटायर्ड जजों के लिए वन रैंक वन पेंशन के आदेश दिये हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि चाहे उनकी प्रारंभिक नियुक्ति का स्रोत कोई भी हो चाहे वह जिला न्यायपालिका से हो या वकीलों में से उन्हें प्रति वर्ष न्यूनतम 13.65 लाख रुपये पेंशन दी जानी चाहिए। साथ ही कोर्ट ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए वेतन के साथ-साथ टर्मिनल लाभ भी दिए जाने चाहिए। केंद्र सभी न्यायाधीशों के लिए वन रैंक वन पेंशन के सिद्धांत का पालन करेगा। चाहे वे किसी भी उच्च न्यायालय में कार्यरत हों। हम मानते हैं कि सभी सेवानिवृत्त न्यायाधीश चाहे उनकी नियुक्ति की तिथि कुछ भी हो पूर्ण पेंशन के हकदार होंगे। हम मानते हैं कि सभी उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पूर्ण पेंशन मिलेगी। नई पेंशन योजना लागू होने के बाद नियुक्त न्यायाधीशों को देय पेंशन के मामले में हम मानते हैं कि सेवानिवृत्ति के बाद टर्मिनल लाभों के लिए न्यायाधीशों के बीच कोई भी भेदभाव अनुच्छेद 14 का उल्लंघन नहीं होगा। इस प्रकार हम सभी उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पूर्ण पेंशन के हकदार मानते हैं चाहे वे किसी भी समय नियुक्त हुए हों। हम यह भी मानते हैं कि अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्त हुए उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को भी पूर्ण पेंशन मिलेगी तथा न्यायाधीशों और अतिरिक्त न्यायाधीशों के बीच कोई भी भेद करना अन्याय होगा।

बुधवार को होगी अली खान की सुनवाई

दिल्ली से अशोका युनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान को आपरेशन सिंदूर पर टिप्पणी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। अली खान की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट जल्द सुनवाई को तैयार हो गया है। अली खान के वकील कपिल सिब्बल होंगें और सुप्रीम कोर्ट 20 या 21 मई को याचिका पर सुनवाई करेगा। सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष कपिल सिब्बल ने मेंशन कर जल्द सुनवाई की मांग है।एक निजी यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को भाजपा युवा मोर्चा के एक नेता की शिकायत पर दिल्ली के ग्रेटर कैलाश स्थित उनके निवास से गिरफ्तार किया गया है। जिसके बाद कोर्ट में पेश किया गया।अली खान को कोर्ट ने दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया अली के खिलाफ दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं।

संभल जामा मस्जिद सर्वे के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका खारिज

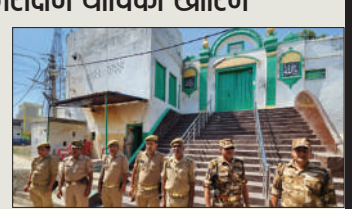

संभल जामा मस्जिद के सर्वे के खिलाफ दाखिल मुस्लिम पक्ष की याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट से खारिज हो गई है। गत दिनों सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया था। सोमवार को आदेश जारी किया गया है। हाईकोर्ट के आदेश से मुस्लिम पक्षकार को झटका लगा है। कोर्ट में मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी एडवोकेट कमीशन की जांच में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया है।

बयानबाजी पर लगाम लगाएं डिप्टी सीएम : अखिलेश

» ब्रजेश पाठक ने सपा को बताया शिशुपाल

» सपा प्रमुख बोले- हम कृष्ण के वंशज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डीएनए पर सपा और भाजपा के बीच वार-पलटवार थमने का नाम नहीं ले रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पर निशाना साधते हुए कहा कि हम श्रीकृष्ण के वंशज हैं। हमारे डीएनए पर प्रहार से हमारी धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं। वहीं, ब्रजेश पाठक ने सपाइयों को शिशुपाल की संज्ञा देते हुए कहा कि प्रभु श्रीकृष्ण उनका उपचार करेंगे।

यहां बता दें कि पौराणिक कथाओं के अनुसार, शिशुपाल भगवान श्रीकृष्ण के फुफेरे भाई थे और उनकी 101वीं गलती पर श्रीकृष्ण ने शिशुपाल का सिर काट दिया था। अखिलेश यादव ने एक्स पर अपनी लंबी पोस्ट लिखा कि हमने उप मुख्यमंत्री की टिप्पणी का संज्ञान लेते हुए पार्टी स्तर पर उन लोगों को समझाने की बात कही है, जो समाजवादियों के डीएनए पर दी गई आपकी

(ब्रजेश पाठक की) अति अशोभनीय टिप्पणी से आहत होकर अपना आपा खो बैठे थे। आइंदा ऐसा न हो हमने उनसे तो ये आश्वासन ले लिया है लेकिन आपसे भी यही आशा है कि आप जिस तरह की बयानबाज़ी निरंतर करते आए हैं, उस पर भी विराम लगेगा। आप जिस स्तर के बयान देते हैं वो भले आपको अपने व्यक्तिगत स्तर पर उचित लगते हों, लेकिन आपके पद की मर्यादा और शालीनता के पैमाने पर किसी भी तरह उचित नहीं ठहराए जा सकते हैं ।

नैतिकता न भूलें ब्रजेश पाठक

अखिलेश एक्स पर आगे लिखते हैं कि एक स्वास्थ्य मंत्री के रूप में आपसे ये अपेक्षा तो है ही कि आप ये समझते होंगे कि किसी के व्यक्तिगत डीएनए पर भद्दी बात करना दरअसल किसी व्यक्ति नहीं, वरन युगों-युगों तक पीछे जाकर उसके मूलवंश और मूल उद्गम पर आरोप लगाना है। जैसा कि सब जानते हैं कि हम यदुवंशी हैं और यदुवंश का संबंध भगवान श्रीकृष्ण से है। अतः ऐसे में आपके द्वारा हमारे डीएनए पर किया गया प्रहार धार्मिक रूप से भी हमें आहत करता है।

धर्म जैसी संवेदनशील भावना को जाने-अनजाने में ठेस न पहुंचाएं

अखिलेश ने कहा कि हम जानते हैं कि आपका धर्म-प्रधान व्यक्तित्व ऐसा नहीं है कि वो भगवान श्रीकृष्ण के प्रति ऐसी दुर्भावनापूर्ण टिप्पणी कर सकता है, पर एक सामान्य भोला व्यक्ति जो भगवान श्रीकृष्ण ही नहीं बल्कि किसी भी भगवान में विश्वास करता है वो आपकी टिप्पणी को अन्यथा भी ले सकता है। ऐसे में आपसे आग्रह है कि राजनीति करते-करते न अपनी नैतिकता भूलिये और न ही धर्म जैसी संवेदनशील भावना को जाने-अनजाने में ठेस पहुंचाएं। अखिलेश यह भी लिखते हैं कि आप (ब्रजेश पाठक) अगर एकांत में बैठकर अपने विगत वर्षों का अवलोकन करेंगे तो पाएंगे कि मूल रूप से आपके विचारों में पहले कभी भी ऐसा विचलन न था, न ही आपकी राजनीतिक आकांक्षाएं ऐसी थीं कि शाब्दिक संतुलन खो बैठें।

लोहिया- जनेश्वर मिश्र की पार्टी नहीं रह गई सपा : ब्रजेश पाठक

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने जवाब देते हुए कहा कि सपा मीडिया सेल के साथी आलोचना करने के दौरान जिन शब्दों का प्रयोग करते हैं, उसे पढ़कर लगता ही नहीं कि यह पार्टी राममनोहर लोहिया और जनेश्वर मिश्र की पार्टी रह गई है। जार्ज साहब की बात तथाकथित समाजवादी भूल गए कि शिविर लगाया करो, पढ़ा-लिखा करो ब्रजेश पाठक ने अखिलेश यादव को संबोधित करते हुए लिखा कि सपाइयों को लोहिया-जेपी पढ़ाइए और पंडित जनेश्वर मिश्र के भाषण सुनवाइए, ताकि इनके आचरण और उच्चारण में समाजवाद झलके।

ब्रजेश पाठक प्रभु ईसा मसीह की तर्ज पर आगे लिखते हैं कि हे महान लोहिया, जनेश्वरजी, इन नादानों को क्षमा करें। इन्हें कुछ पढ़ाया -लिखाया, सिखाया व समझाया नहीं गया । ये नहीं जानते कि समाजवाद दया है। इन्होंने समाजवाद को गाली गलौज, उदंडई और स्तरहीन टिप्पणियों की प्रयोगशाला बना दिया है।

लठैतवाद में बदला समाजवाद : केशव

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि परिवारवादी समाजवाद अब पूरी तरह से लठैतवाद में बदल चुका है। भविष्य में जनता अपने वोट की ताकत से उन्हें साफ कर देगी।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर अभद्र टिप्पणी मामले में एक और एफआईआर

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर सोशल मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी के मामले में पूर्व मेयर प्रत्याशी अजय त्रिपाठी ने बाजारखाला थाने में आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कराया है। अभद्र टिप्पणी करने का आरोप सपा के सोशल मीडिया सेल पर लगा है। मामले में शनिवार को हजरतगंज व वजीरगंज थाने में केस दर्ज किया गया था। रविवार को अजय त्रिपाठी, भारतीय उद्योग किसान व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रितेश गुप्ता, अखिल भारतीय दोसर वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गुप्ता, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप सिंह बब्बू सहित कई अन्य लोग थाने पहुंचे। मुन्ना का आरोप है कि सपा अध्यक्ष के इशारे पर डिप्टी सीएम पर अभद्र टिप्पणी की गई। इंस्पेक्टर बृजेश सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

आतंकियों का सूपड़ा साफ होने तक नहीं होना चाहिए था युद्ध विराम : स्वामी प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जलालपुर। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सराहनीय कदम था लेकिन प्रधानमंत्री ने दो दिन में ही युद्ध विराम की घोषणा कर ऑपरेशन की हवा निकाल दी। देश की बहनों के सिंदूर का अपमान कर दिया। पहलगाम में जिन पर्यटकों की आतंकवादियों की गोली से मौत हुई थी, उनका मजाक उड़ाया गया।

मोदी जी ने बिहार की चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि आतंकियों को कड़ी सजा मिलेगी। बिना आतंकियों को खत्म किए युद्ध विराम की घोषणा कहीं सस्ती लोप्रियता हासिल करने के लिए नौटंकी तो नहीं है। आतंकियों का सफाया न होने तक युद्ध विराम नहीं होना चाहिए। स्वामी प्रसाद मौर्य रविवार को जलालपुर में अपनी पार्टी की ओर से आयोजित संविधान सम्मान व जनहित हुंकार यात्रा में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने पहुंचे थे। उस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पूंजीपतियों की गुलाम बनी हुई है और बड़े उद्योगपतियों अडानी-अंबानी को देश की संपत्तियों की बिक्री कर देश को

नुकसान पहुंचा रही है। भाजपा शासनकाल में सरकारी विद्यालयों की स्थिति गंभीर रूप से खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि पांच किलो अनाज देकर युवाओं को शिक्षा व रोजगार से दूर रखा जा रहा है, जिससे बेरोजगारी बढ़ रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी आरोप लगाया कि देश को विश्व गुरु बनाने के दावे के बावजूद रेलवे, बंदरगाह, एयरपोर्ट, एलआईसी जैसी राष्ट्रीय संस्थाओं को निजी कंपनियों के हाथों बेच दिया गया है। उन्होंने संगठन के लोगों से एकजुट होने की अपील की। इस दौरान उपाध्यक्ष भगवती प्रसाद सागर व शादाब खान, अध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ) बृजेश प्रजापति, महासचिव दिलीप चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चंद्र लहरी आदि मौजूद रहे।

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद का कद बढ़ाया, बनाया चीफ नेशनल कोआर्डिनेटर

» बसपा अब पूरे देश में फिर पूरी ताकत से आगे बढ़ेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के उत्तराधिकारी एवं नेशनल कोआर्डिनेटर रहे उनके भतीजे आकाश आनंद को एकबार फिर पूरी ताकत के साथ वापसी करवा दी है। अब पुनः पार्टी पुराने ढर्रे पर वापस आने लगी है। आकाश को इस बार ज्यादा अधिकारों के साथ वापस लाया गया है, जो उनके राजनीतिक भविष्य को नया मुकाम दे सकता है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने दिल्ली में आकाश को चीफ नेशनल कोआर्डिनेटर बनाकर साफ कर दिया कि पार्टी में युवा नेतृत्व की जरूरत को नकारा नहीं जा सकता है। आकाश के निष्कासन वापसी के बाद उनके समर्थक लगातार उन्हें कोई अहम पद देने की मांग कर रहे थे।

बसपा सुप्रीमो ने उनकी उम्मीदों से बढ़कर आकाश को जिम्मेदारी सौंपी है। इससे पहले आकाश को नेशनल

कोआर्डिनेटर और उत्तराधिकारी बनाने के दौरान यूपी और उत्तराखंड से दूर रखा गया था, जबकि इस बार उन्हें पूरे देश में संगठन को मजबूत करने का जिम्मा सौंपा गया है।

आकाश की वापसी में उनके पिता आनंद कुमार की भूमिका अहम बताई जा रही है, जिन्होंने बीते दिनों नेशनल कोआर्डिनेटर का पद ठुकरा दिया था। हालांकि उन्होंने मायावती के निर्णयों का सम्मान करते हुए आकाश की वापसी की राह बनाई। साथ ही आकाश के उन करीबियों और समर्थकों को भी चुप कराया गया, जो पार्टी नेतृत्व के फैसलों पर सवाल उठा रहे थे।

मुश्किलों भरे रहे ढाई माह

इससे पहले बीते वर्ष अप्रैल माह में लोकसभा चुनाव के दौरान सीतापुर की जनसभा में दिए भड़काऊ भाषण की वजह से उनसे नेशनल कोआर्डिनेटर और उत्तराधिकारी के पद की जिम्मेदारी वापस ले ली गई थी। उन्होंने भाजपा नेताओं की तुलना आतंकवादियों से की थी, जिसके बाद आकाश समेत कई प्रत्याशियों और पार्टी पदाधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया था। हालांकि बीते ढाई माह आकाश के लिए ज्यादा मुश्किल भरे रहे। मायावती ने आकाश को बीती 2 मार्च को पार्टी से निष्कासित किया था। बीती 13 मार्च को मायावती ने आकाश द्वारा सार्वजनिक रूप से माफी मांगने पर उनका निष्कासन तो वापस लिया, लेकिन उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी। बसपा में अंदरखाने इसे लेकर तमाम अटकलें लगने लगीं, जिसके बाद मायावती ने 29 अप्रैल को पार्टी पदाधिकारियों से आकाश की तारीफ करते हुए उसका हौसला बढ़ाने को कहा। रविवार को हुई बैठक में आकाश की दमदार वापसी से साफ हो गया कि पार्टी ने अपना नया नेतृत्व तय करने की ओर कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है।

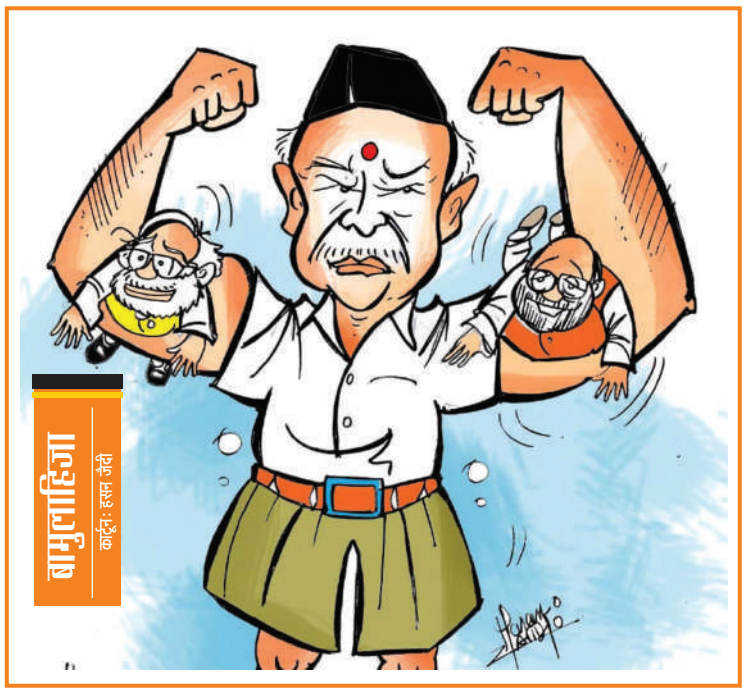

सीएम भगवंत मान बढ़ा रहे हैं आप का मान : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लुधियाना। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को लुधियाना में नशा मुक्त यात्रा को संबोधित किया। केजरीवाल ने कहा आम आदमी पार्टी लाखों युवाओं को नशे की गिरफ्त से मुक्त करवाकर

सराहनीय काम कर रही है। पंजाब के गांव अब नशा मुक्त हो चुके हैं। आज एक-एक करके नशा तस्करों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाला जा रहा है।

बीते दो महीनों में 10 हजार से अधिक नशा तस्करों को पकड़ा गया है। इन नशा तस्करों में 1700 छोटे नशा तस्कर है लेकिन 8300 नशा तस्कर इनमें से बड़े नशा तस्कर हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा पंजाब में इस सराहनीय काम को लेकर हर कोई सीएम भगवंत मान की तारीफ कर रहा है। यह एक बड़ी कार्रवाई है और एक स्वस्थ, नशा मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक मजबूत भरा कदम है। अरविंद केजरीवाल ने कहा लोग कह रहे हैं कि छोटे-छोटे नशा तस्कर पकड़े जा रहे हैं लेकिन ऐसा नहीं है। पुलिस ने बड़े-बड़े नशा तस्करों को पकड़ा है। बता दें कि पंजाब सरकार ने इस साल के फरवरी माह से नशे के खिलाफ पंजाब सरकार के अभियान युद्ध नशे के विरुद्ध को को चलाया था। इसके तहत पंजाब सरकार ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कई नशा तस्करों के घरों पर बुलडोजर से कार्रवाई की।

दोस्त-दोस्त न रहा... ट्रंप का मोदी को झटका

अमेरिका के बदले सुर, एप्पल को धमकी, भारत में न लगाएं फैक्ट्री

- जीरो परसेंट ट्रेड पर भी जल्दबाजी नहीं
- ट्रंप का एलान भारत टैरिफ में सौ फीसदी कटौती को तैयार?
- तो क्या इसे घुटने टेकना माना जाए
- अलग-थलग पड़े पाकिस्तान को बराबरी का दर्जा देने की भी बात कही
- खटाई में भारत-अमेरिका संबंध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। युद्ध विराम की फजीहत के बाद एक और बड़ी फजीहत के लिए क्या हमे मानसिक तौर पर तैयार रहना होगा। अमेरिकन टीवी न्यूज चैनल को दिये एक इंटरव्यू में प्रेसीडेंट ट्रंप ने एलान किया है कि भारत ने अमेरिकी वस्तुओं पर सभी टैरिफ हटाने की पेशकश की है। उन्होंने कहा है कि भारत संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार करने ?के? लिए अपने टैरिफ में 100 प्रतिशत की कटौती करने को तैयार हैं।

ट्रंप ने यह भी कहा कि वह किसी जल्दबाजी में नहीं हैं और हर किसी के साथ बिजनेस की कोई योजना नहीं बना रहे हैं। ट्रंप की कोशिश एप्पल जैसी कंपनियों को अमेरिका वापस बुलाने की है और यह दर्शाने के लिए काफी है कि है कि दोस्ती तब तक ही है जब तक उसमें अमेरिका का लाभ है। भारत को अब यह तय करना होगा कि वह ट्रंप की अमेरिका केंद्रित नीति के सामने झुके या दृढ़ता से अपने रास्ते पर चले।

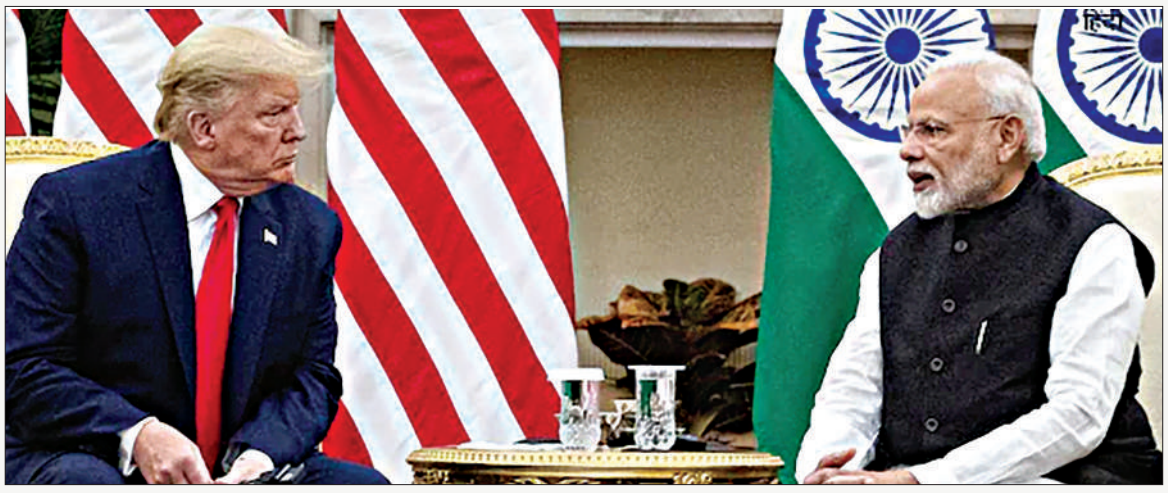

एप्पल नीति खतरे की घंटी

ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से एप्पल के सीईओ टिम कुक से अनुरोध किया है कि भारत में आई-फोन निर्माण बंद किया जाए और पूरी मैन्युफैक्चरिंग अमेरिका में शिफ्ट की जाए। यह बयान ऐसे समय में आया जब एप्पल भारत में अपने निवेश को तेजी से बढ़ा रहा है। वह तमिलनाडु में फावसकान द्वारा 433 मिलियन का सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने की योजना के तहत कार्य कर रहा है। ट्रंप ने टीवी पर कहा कि मैंने टिम कुक से कहा है कि भारत में आई-फोन मत बनाओ। सब अमेरिका में बनाओ।

मेक इन इंडिया पर संकट आ सकता है!

भारत सरकार ने 2020 के बाद से चाइना प्लस वन नीति को बढ़ावा दिया है ताकि चीन पर निर्भर वैश्विक कंपनियाँ भारत को विकल्प के तौर मानें। एप्पल जैसी कंपनियां भारत में आईं लेकिन अब ट्रंप के इस हस्तक्षेप के बाद एक नकारात्मक संदेश जा जा रहा है जोकि विनाशकारी हो सकता है। कंपनियां या कोई भी व्यवसायिक संस्था जरूर इस बात को सोचेगी कि यदि वह भारत में निवेश करेगा तो क्या इससे अमेरिका नाराज हो जाएग और आज की तारीख में अमेरिका की नाराजगी हर किसी के बस की बात नहीं। अगर कंपनियाँ डर के कारण भारत से दूरी बनाएँगी तो मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया के सपने को भी गहरी चोट लग सकती है।

पाकिस्तान को दिया महत्व

प्रेसीडेंट ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ व्यापार के विस्तार की संभावना पर भी विचार करने की बात कही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में पहलगाम आतंकी हमले के बाद सीमा विवाद के बीच दोनों देशों के बीच युद्ध विराम समझौते के लिए मध्यस्थता करने में व्यापार प्रक्रिया को बढ़ाना एक बड़ा कारक था। ट्रंप ने कहा कि मैं शांति स्थापित करने के लिए दोनों देशों के साथ बराबरी से व्यापार करना चाहता हूं। भारत पाकिस्तान ही नहीं अमेरिका चीन के साथ भी विवाद कम करने की कोशिश कर रहा है।

भारत ने दिया जवाब

भारत सरकार ने ट्रंप के बयानों पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया में संयम बरता है। भारत अभी इस बात का आकलन कर रहा है कि क्या यह ट्रंप की चुनावी रणनीति है या अमेरिका की दीर्घकालिक नीति की ओर संकेत। हालांकि ट्रंप के बयान के बाद भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि बातचीत चल रही है लेकिन अंतिम चरण से फिलहाल काफी दूर है। विदेश मंत्री ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता चल रही है। ये जटिल वार्ताएं हैं। जब तक सब कुछ तय नहीं हो जाता तब तक कुछ भी तय नहीं होता। किसी भी व्यापार सौदे को पारस्परिक रूप से लाभकारी होना चाहिए। इसे दोनों देशों के लिए काम करना चाहिए। व्यापार सौदे से हमारी यही अपेक्षा होगी। जब तक ऐसा नहीं हो जाता तबतक इस पर बात करना मुनासिब नहीं है।

नगर निगम की सियासत से बनेगी धाक!

महाराष्ट्र व कर्नाटक में चुनावों को तैयार सभी दल

- दिल्ली में भाजपा को टक्कर देने की फिराक में आप
- शरद पवार से लेकर शिवकुमार तक डटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सियासत की पहली सीढ़ी शहरी क्षेत्रों में नगर निगम है। सियासी दल कोई भी हो अगर वह शहरों की सरकार पर काबिज हो जाती हे तो ऐसा माना जाता हे कि वह राज्य की सत्ता व उसके बाद केंद्र की सत्ता पर भी दावा करने की ताकत में आ जाती है।

उसी सिलसिले में जहां कर्नाटक व महाराष्ट्र आगमी होने वाले नगर निगम चुनावों के लिए विसात बिछने लगी है। महाराष्ट्र शिवसेना यूबीटी व एनएसीपी शरद पवार गुट नगर निगमों में अपनी ताकत बढ़ाने में लगीं हुई हैं। शरद पवार ने राज्य स्तर पर किसी भी पार्टी से गठबंधन करने के लिए स्थानीय पार्टी ईकाई को खुला हाथ दे दिया। उधर दिल्ली में नगर निगम में अपनी अच्छी उपस्थिती दर्ज कराने वाली आप को झटका लगा है। उसके 15 पार्षदों ने थर्ड फ्रंट बनाने का ऐलान किया है साथ ही पार्टी का नाम भी फाइनल कर दिया है।

दिल्ली में आप में टूट बना नया गुट

थर्ड फ्रंट बनाने वालों में दिनेश भारद्वाज, सुमन अनिल राणा, मुकेश गोयल, हेमचंद्र गोयल आदि शामिल हैं। आपको बता दें कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) अपनी स्थायी समिति में दो रिक्त पदों को भरने के लिए 22 मई को चुनाव कराएगा, साथ ही विभिन्न वार्ड समितियों के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों के लिए भी चुनाव कराएगा। आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। पार्टी के पार्षद हेमचंद्र गोयल के नेतृत्व में करीब 15 पार्षदों की शनिवार को बैठक हुई और इसमें कई फैसले लिए गए। सभी 15 पार्षदों ने थर्ड फंट बनाने का ऐलान किया है। नय गुट का नाम इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी रहने की संभावना है जिसका नेतृत्व मुकेश गोयल को देने का फैसला लिया गया है। आप के पास अभी 113 सदस्य हैं। हालांकि, इसमें से अब 15 कब हो गए हैं। भाजपा के पास 117 सदस्य हैं। वहीं, कांग्रेस के पास 8 पार्षद हैं।थर्ड फंट बनाने वालों में दिनेश भारद्वाज, सुमन अनिल राणा, मुकेश गोयल, हेमचंद्र गोयल आदि शामिल हैं।

बेंगलुरु के विभिन्न निगमों की चुनाव तैयारी चार माह में होगी : शिवकुमार

बेंगलुरु विकास के प्रभारी शिवकुमार ने कहा कि आरक्षण सूची और कई नगर निगमों के गठन के संबंध में जल्द ही प्रक्रिया शुरू की जाएगी। 'ग्रेटर बेंगलुरु गवर्नेंस एक्ट' शहर के प्रबंधन के लिए अधिकतम सात नगर निगमों के गठन की अनुमति देता है। ऐसे संकेत हैं कि सरकार तीन निगमों के गठन का निर्णय ले सकती है। बेंगलुरु में सितंबर 2020 से कोई निर्वाचित निगम नहीं है। शिवकुमार ने कहा,"हम जल्द ही आरक्षण सूची और शहर को कई निगमों में विभाजित करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। हमें चुनाव कराने हैं, इसमें देरी करने का कोई मतलब नहीं है। हम चार महीने के भीतर आवश्यक व्यवस्था कर लेंगे। अधिसूचना के अनुसार, 'ग्रेटर बेंगलुरु गवर्नेंस एक्ट' 15 मई को प्रभावी हो गया और नया ग्रेटर बेंगलुरु क्षेत्र वर्तमान में बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र तक सीमित होगा।

एमसीडी की स्थायी समिति में दो रिक्त पदों को भरने के लिए 22 मई को चुनाव

आपको बता दें कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) अपनी स्थायी समिति में दो रिक्त पदों को भरने के लिए 22 मई को चुनाव कराएगा, साथ ही विभिन्न वार्ड समितियों के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों के लिए भी चुनाव कराएगा। एक नोटिस में यह जानकारी दी गई। विधायक चुने जाने के बाद दो पार्षदों के इस्तीफे के कारण एमसीडी को स्थायी समिति में रिक्त पदों को भरने के लिए चुनाव कराने पड़ रहे हैं। ये पार्षद पहले क्रमशः दक्षिण जोन और सिटी-एसपी जोन वार्ड समितियों से स्थायी समिति के लिए चुने गए थे। चुनाव 22 मई को होगा और गुप्त मतदान के माध्यम से प्रतिनिधि चुने जाएंगे। इसी दिन विभिन्न वार्ड समितियों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पदों के लिए भी चुनाव होंगे। इनमें नजफगढ़, रोहिणी, करोल बाग, मध्य, नरेला, दक्षिण और सिटी-एसपी जैसे जोन की समितियां शामिल हैं। अप्रैल में भाजपा उम्मीदवार राजा इकबाल सिंह दिल्ली के नए महापौर चुने गए थे। इसके साथ ही भाजपा दो साल बाद दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में सत्ता में लौट आयी। इकबाल ने कांग्रेस उम्मीदवार मंदीप सिंह को हराया। आम आदमी पार्टी (आप) ने महापौर चुनाव का बहिष्कार किया। महापौर के परिणाम घोषित होने के साथ ही उप महापौर पद के लिए दूसरे चरण का मतदान होने की उम्मीद थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बदलते मौसम से जनित बीमारियों पर हो प्रहार

मई के महीने में उत्तर भारत का मौसम वैसे तो भीषण गर्मी वाला होता है। पर पिछले एक हफ्ते से एनसीआर व नई दिल्ली में आंधी तूफान के साथ वर्षा की खबरें आ रही हैं। ऐसे में बीमारियों के आने की भी खबरें आम हो जाएंगी। अब मच्छरों से फैलने वाले रोगों की बाढ़ आ जाएगी ऐसे में अब आम जन से लकर शासन प्रशासन की जिम्मेदारी है कि इनसे रोकथाम की व्यवस्था युद्ध स्तर पर कर लें ताकि कोई बीमारी महामारी न ब जाए। वैसे भी 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। डेंगू एक मच्छर जनित वायरल बीमारी है, जो सामान्यत: बारिश के दिनों में होती है। डेंगू दिवस के लिए इस वर्ष की थीम है- 'जल्दी कार्रवाई करें, डेंगू रोकें स्वच्छ वातावरण, स्वस्थ जीवन।' इस थीम का उद्देश्य है कि लोगों को शुरुआती लक्षण पहचानने और तत्काल डॉक्टर से संपर्क करने के लिए प्रेरित करना।

गंदगी और स्थिर पानी को हटाकर मच्छरों की उत्पत्ति रोकना। समुदाय आधारित भागीदारी को बढ़ावा देना। स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाना। पिछले साल रायपुर के पर्यावरण प्रेमी नितिन सिंघवी ने कुछ-कुछ इन्हीं विषयों को लेकर प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखा था। उन्होंने पत्र में कहा था कि ऐसा देखा गया है कि जगह-जगह जो पॉलीथिन उपयोग करके फेंक दी जाती है, उनमें एकत्रित पानी की वजह से मच्छर ज्यादा पनप रहे हैं। उन्होंने प्रतिबंधित प्लास्टिक को नियंत्रित करने के लिए जलवायु परिवर्तन विभाग के तहत उच्च स्तरीय समिति गठित करने का सुझाव दिया था। उनके द्वारा उठाए गए विषयों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। वहीं, एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों में डेंगू के कुल मामलों में शहरी क्षेत्रों का योगदान 58 फीसदी तक रहा। यह 2023 में बढ़कर 68 प्रतिशत तक पहुंच गया था। स्वास्थ्य विभाग ने दावा किया है कि 'समन्वित रणनीतियों तथा व्यापक जनजागरुकता अभियानों के परिणामस्वरूप वर्ष 2025 की पहली तिमाही में डेंगू के मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। जनवरी से अप्रैल माह के दौरान डेंगू के मामलों में 65 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जो स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में किए जा रहे सुदृढ़ प्रयासों की प्रभावशीलता को दर्शाती है।' हालांकि, डेंगू का प्रकोप प्री-मानसून और बारिश के मौसम में ज्यादा होता है, तो अभी ये मौसम आया नहीं है। सरकार को चाहिए कि डेंगू-मलेरिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों से बचाव और रोकथाम के लिए वर्तमान वातावरण और परिस्थितियों के मुताबिक कार्ययोजना बनाए और उसे प्राथमिकता से लागू करे ताकि इन बीमारियों का प्रकोप कम किया जा सके।

डेंगू एक मच्छर जनित वायरल बीमारी है, जो सामान्यत: बारिश के दिनों में होती है। डेंगू दिवस के लिए इस वर्ष की थीम है- 'जल्दी कार्रवाई करें, डेंगू रोकें स्वच्छ वातावरण, स्वस्थ जीवन।' इस थीम का उद्देश्य है कि लोगों को शुरुआती लक्षण पहचानने और तत्काल डॉक्टर से संपर्क करने के लिए प्रेरित करना।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विकल्प और भी हैं तुर्किये को सबक सिखाने के

पुष्परंजन

तुर्किये के राष्ट्रपति रिसेप तैय्यिप एर्दोआन अपनी प्रशंसा से गदगद हैं। पाकिस्तान में तुर्किये के राजदूत इरफान नेजीरोग्लू के साथ मुलाकात के दौरान शहबाज शरीफ ने कहा, 'राष्ट्रपति एर्दोआन ने एक बार फिर पाकिस्तान के लोगों के प्रति अपने प्यार का प्रदर्शन किया है। उन्होंने पाकिस्तान-तुर्किये भाईचारे के इतिहास में एक नया और गौरवशाली अध्याय जोड़ा है।' लेकिन, तुर्किये की इस करतूत के खिलाफ भारत में लगातार गुस्से का इजहार किया जा रहा है। यह विडम्बना ही है, भारत के खिलाफ युद्ध के लिए उकसाने वाला तुर्किये, इन दिनों रूस-यूक्रेन के बीच शांति वार्ता की मेजबानी कर रहा है। लेकिन क्या तुर्किये का इलाज उसकी चंद कंपनियों को भारत में काम करने से रोकने, तुर्किये के विश्वविद्यालय इनोनु के साथ जेएनयू का शैक्षणिक एक्सचेंज समझौता रद्द कर देने भर से सम्भव है?

प्रश्न यह भी है, कि क्या जेएनयू को ऐसा कोई निर्देश मानव संसाधन मंत्रालय से गया था, कि इनोनु से 2028 तक हुआ 'एमओयू' तोड़ दो? जेएनयू का चीनी विश्वविद्यालयों के साथ विभिन्न शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के लिए एमओयू हो चुका है। इनमें संयुक्त शोध परियोजनाएं, शिक्षक-छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम, और पाठ्यक्रम विकास शामिल हैं। जेएनयू के 'ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ़ एकेडमिक नेटवर्क' ने दुनिया भर के विश्वविद्यालयों के साथ 35 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित किए हैं। संयुक्त शोध परियोजनाओं पर पेइचिंग विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी भी की है। तुर्किये समेत इन सभी देशों से भारत के कूटनीतिक सम्बन्ध सामान्य चल रहे हैं। फिर, तुर्किये के विश्वविद्यालय 'इनोनु' के साथ जेएनयू का शैक्षणिक एक्सचेंज समझौता स्वत:स्फूर्त तरीके से रद्द कर देना, कई सवाल खड़े कर देता है। तुर्किये के विश्वविद्यालय के साथ ऐसा कर सकते हैं, तो चीनी विश्वविद्यालयों के साथ क्यों बगलगीर हैं? भारत-पाक युद्ध में चीनी मिसाइलें छूट रही थीं। चीनी रक्षा प्रणाली नहीं होतीं, तो पाकिस्तान की मिट्टी-पलीद हो जाती।

लेकिन चीन के विरुद्ध चूं नहीं बोला जा रहा है। राष्ट्रपति रिसेप तैय्यिप एर्दोआन का दोहरा चरित्र किसी से छिपा नहीं है। छद्म राष्ट्रवाद के बहाने तुर्किये की जो दुर्दशा एर्दोआन कर रहे हैं, उसकी हालिया मिसाल एक रिपोर्ट है, जिसमें जानकारी दी गई, कि तुर्किये के

दस में केवल चार युवाओं को ही रोज़गार मिल सका है। एर्दोआन, ट्रंप के गुडबुक में आने के वास्ते दिलोजान से लगे हुए हैं। अमेरिकी सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने 7 मई, 2025 को राष्ट्रपति ट्रम्प को लिखे एक पत्र में तुर्किये को एफ-35 जेट की किसी बिक्री का विरोध किया है। पत्र में चेतावनी दी गई, कि तुर्किये द्वारा एस-400 सिस्टम को बनाए रखना, उसे नाटो और अमेरिकी तकनीक के साथ असंगत बनाता है। सांसदों ने उल्लेख किया, कि 2019 में 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट' के तहत तुर्किये को एफ-35 ज्वाइंट स्ट्राइक फाइटर प्रोग्राम से हटा दिया गया था। उन्होंने चेतावनी दी, कि तुर्किये को फिर से शामिल करना, उस कानून का उल्लंघन होगा, जो एस-400 के चालू रहने के दौरान एफ-35 के पुर्जों, या सहायता के हस्तांतरण पर रोक लगाता है। ट्रंप-एर्दोआन दोस्ती से अलहदा, भारत-तुर्किये दोस्ती पर हम वापस लौटते हैं। इस समय सरकारी से अधिक प्राइवेट प्रतिबंधों का दौर शुरू है। ली ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी, ईजी ट्रिप प्लानर्स और कॉक्स एंड किंग्स सहित प्रमुख भारतीय ट्रैवल प्लेटफॉर्म ने तुर्किये और अजरबैजान के लिए प्रचार और सेवाएं भी स्थगित कर दी हैं। कॉक्स एंड किंग्स के एक कार्यकारी करण अग्रवाल ने कहा, कि कंपनी स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रही है, और स्थिति में सुधार होने पर परिचालन फिर से शुरू करने पर विचार करेगी। भारत के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अनुसार, 2024 में लगभग पांच लाख भारतीयों ने तुर्किये का दौरा किया था, जो 2019 के आंकड़ों से दोगुना है। पिछले साल भी अजरबैजान में 80,000 से ज़्यादा भारतीय पर्यटक आए थे। निश्चित रूप से इसका असर इन देशों के पर्यटन व्यवसाय पर पड़ेगा।

भारत ने वित्त वर्ष 2024 में तुर्किये को 3,885 वस्तुओं का निर्यात किया, जो कुल जमा 6.66 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था। इसी अवधि में भारत ने तुर्किये से 2,482 वस्तुओं का आयात किया, जिसकी क़ीमत 3.78 बिलियन अमेरिकी डॉलर थी, यानी इस आयात-निर्यात में फायदा भारत को ही हो रहा था। डबल से थोड़ा कम। भारतीय कंपनियों ने तुर्किये में लगभग 126 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। इधर भारत में तुर्किये का निवेश लगभग 210.47 मिलियन डॉलर है। 'तुर्किये में पंजीकृत प्रमुख भारतीय कंपनियों में ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड, महिंद्रा, सोनालीका, टाटा , जिंदल, इंडो-रामा, बिड़ला सेल्यूलोज, पॉलीप्लेक्स, जीएमआर, मेरिल लिंच, पुंज लॉयड, रिलायंस थर्मैक्स, विप्रो, डाबर, जैन इरिगेशन जैसी 150 भारतीय कम्पनियां हैं।'

इतनी भी आसान नहीं यमुना की सफाई

बीते सप्ताह यमुना की सफाई के लिए दिल्ली जल बोर्ड ने ऑपरेशन साहिबी रिवर बोर्ड गठित कर काम भी तुरंत शुरू किया है। अधिकारियों के अनुसार यमुना में जितनी गंदगी है उसकी करीब 50 फीसदी से अधिक नजफगढ़ ड्रेन से आती है। यदि इसे साफ कर दिया जाता है तो यमुना में गंदगी अपने आप कम हो जाएगी।

योगेश कुमार सोनी

यमुना की सफाई का मुद्दा बीते विधानसभा चुनाव में इतना उछाला गया था कि वह शिक्षा, सुरक्षा व रोजगार की तरह जनता व सरकार दोनों ने ही गंभीरता से लिया। बताया यह भी जाता है कि यमुना की सफाई का मुद्दा आम आदमी पार्टी की हार का एक मुख्य कारण भी रहा। बीजेपी सरकार ने शपथ भी नहीं ली थी और सबसे पहले यमुना की सफाई शुरू करते ही वहां आरती भी शुरू कर दी। चुनाव के रिजल्ट के अगले दिन ही यमुना की सफाई व आरती करने का वीडियो जारी कर दिया था। बहरहाल, दिल्ली में बीजेपी की सरकार बने लगभग दो महीने हो चुके और सरकार इस मामले को लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रही है। बीते सप्ताह यमुना की सफाई के लिए दिल्ली जल बोर्ड ने ऑपरेशन साहिबी रिवर बोर्ड गठित कर काम भी तुरंत शुरू किया है। अधिकारियों के अनुसार यमुना में जितनी गंदगी है उसकी करीब 50 फीसदी से अधिक नजफगढ़ ड्रेन से आती है। यदि इसे साफ कर दिया जाता है तो यमुना में गंदगी अपने आप कम हो जाएगी।

इसलिए नजफगढ़ ड्रेन में जितने भी सब-ड्रेन आकर मिलते हैं उन सभी को ट्रैप करने का प्लान बनाया गया है। पहले चरण में तिमारपुर से पंजाबी बाग के बीच लगभग 10 किलोमीटर लंबे स्ट्रेच में मिलने वाले 23 ड्रेन को ट्रैप किया जाएगा। जैसा कि सरकार बनते ही बीजेपी इस मुद्दे को हल्के में नहीं ले रही वैसे ही विपक्ष भी इस पर हर बार अपनी प्रतिक्रिया देने में पीछे नहीं हट रहा। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने बीजेपी की रेखा गुप्ता सरकार को काउंटर करते हुए कहा कि यमुना की सफाई को लेकर किए गए दावे पूरी तरह खोखले साबित हो रहे हैं। यादव ने कहा कि यमुना के 7 मुख्य स्टेशनों से लिए गए पानी के नमूनों की जांच रिपोर्ट में यह पाया गया कि यमुना का पानी न तो पीने योग्य है और न ही नहाने के लायक।

दरअसल, अब केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा कराई गई पानी की गुणवत्ता जांच ने सच्चाई बता दी। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली के सातों स्थानों पर जल गुणवत्ता बेहद खराब पाई गई है। देखा जाए तो इस समय आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के पास तमाम अन्य मुद्दे भी हैं लेकिन यमुना सफाई पर ही राजनीति केन्द्रित है। समझ में यह आता है कि यमुना सफाई का मुद्दा अहम इसलिए भी है कि यमुना से कई तरह की आस्थाएं जुड़ी हैं। जब भी छठ पर्व आता है तो पूर्वांचली यमुना के कई हिस्सों पर पूजा करते हैं। जब ये लोग वहां स्नान करते थे तो पानी नहाने व आचमन के योग्य नहीं होता था। दिल्ली में रह रहे पूर्वांचली हमेशा इसका विरोध करते रहे लेकिन यदि अब भी स्थिति वैसी रही तो बीजेपी के लिए भी एक नकारात्मक संदेश जा सकता है।

उत्तरी पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने पहले से छठ की पूजा के लिए अलग से घाट बनाए थे लेकिन वहां के लोगों का कहना था कि पानी स्वच्छ नहीं था और लोगों में बहुत नाराजगी भी थी लेकिन फिर भी लोगों ने विधानसभा चुनाव में बीजेपी के चोटी के नेताओं पर भरोसा किया और यमुना सफाई के आधार पर वोट दिया। बीजेपी सरकार ने यमुना की सफाई के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसमें 250 करोड़ रुपये सीवर ट्रीटमेंट प्लान और 250 करोड़ रुपये वाटर ट्रीटमेंट प्लान पर खर्च करने की बात कही है। यदि वाकई ईमानदारी से इतना बड़ा बजट लग जाए तो निश्चित तौर पर यमुना को लेकर दिल्ली की तस्वीर बदल जाएगी लेकिन यह बात भी तय है कि इसमें समय लगेगा। इसके अलावा दिल्ली सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती यह भी है कि यमुना खादर में अवैध तरीके से रहे लोगों को हटाकर कहां स्थापित किया जाए? ज्ञात हो कि बीते वर्ष जब दिल्ली में बाढ़ आई थी तो हजारों लोग खादर से निकल कर सड़कों पर आ गए थे और कई जानवर भी मर गए थे जिसको देखकर आम आदमी पार्टी सरकार के हाथ-पांव फूल गए थे।

उन सभी लोगों ने कुछ दिन के लिए अपना आशियाना पुल के नीचे हिस्सों पर व सड़कों पर टेंट लगाकर बना लिया था। लेकिन आश्चर्य यह हुआ कि शासन-प्रशासन के अनुसार वहां जितने लोग रह रहे थे, उससे कई अधिक निकले। मानो जैसे पूरी एक कॉलोनी बसा ली हो जिसको लेकर विभाग ने माना कि यह भी यमुना में गंदगी का एक बड़ा कारण है। लेकिन सच्चाई यह है कि जहां यमुना बहती है वहां के आसपास अभी भी हजारों लोग बसे हुए हैं, जिससे हमेशा उनकी जान को खतरा बना रहता है साथ ही गंदगी भी रहती है। इसके अलावा दिल्ली के तमाम इंडस्ट्रियल इलाके ऐसे हैं जहां से जहरीला पानी निकलता है। लेकिन उनके लिए सरकार के पास फिलहाल कोई योजना नहीं है। इसलिए जितना आसानी से जनता से वादा किया, राह उतनी आसान नहीं है। यमुना की सफाई से जुड़ी कई तरह तकनीकी समस्याएं हैं जिसके निवारण के लिए समय और हाइटैक साधन जरूरी हैं। लेकिन इच्छाशक्ति व गंभीरता से किया हुआ काम नया सवेरा भी ला सकता है।

योग करते समय रखें इन बातों का ध्यान

आज के समय में खुद को फिट रखने के लिए लोग जिम जाने के साथ-साथ योग भी करने लगे हैं। योग करने से न सिर्फ उनके शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि साथ ही में मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार आता है। अपने शरीर को सुडौल और सुंदर बनाना हो या फिर तनाव मुक्त रहना हो तो आप योग को अपनी जीवनशैली में शामिल कर सकते हैं। योग को लोग अपनी जीवनशैली में शामिल तो कर लेते हैं, लेकिन अक्सर वो इसे करते समय कुछ ऐसी गलतियां कर जाते हैं, जिसका असर उनके शरीर पर पड़ता है। योग की ओर लोगों का रूझान दिनों दिन बढ़ रहा है। मगर इसे आरंभ करने से लेकर समाप्त करने तक कुछ नियमों का ख्याल रखना आवश्यक है। अगर आप भी योगाभ्यास की शुरूआत कर रहे हैं, तो इन गलतियों को करने से अवश्य बचना चाहिए। इसलिए आप योग के 5 सबसे अहम नियमों रट लें, ताकि योग आपके शरीर को सिर्फ लाभ ही पहुंचाए।

सही हो आसन

कभी भी बिना किसी विशेषज्ञ की सलाह के योग न करें। पहले अच्छी तरह से सीख लें, उसके बाद ही अकेले में योग करें। क्योंकि एक बार किया गया गलत आसन आपके साथ कई परेशानियों को पैदा कर सकता है। गलत आसन करने से आपके शरीर में भी दिक्कतें हो सकती हैं।

जबरदस्ती न करें

योग क्रियाएं शरीर को कई प्रकार से फायदा पहुंचाती है। इससे सांस संबधी समस्याओं से लेकर हृदय गति को संतुलित बनाए रखने में मदद मिलती है। मगर अधूरी जानकारी और जल्दबाज़ी में किए जाने वाले योगासन स्वास्थ्य को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। खासतौर से वे लोग जो बिगनर्स है, वे योग मुद्राओं को एक टास्क के समान पूरा करने की कोशिश में जुटे जाते है, जिससे शरीर में इंजरी का खतरा बना रहता है। इसलिए योग करते समय यदि कोई आसन कठिन है, तो उसे करने के लिए खुद को फोर्स न करें। खुद को फोर्स करने से भी आपके लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। यदि कोई आसन कठिन लग रहा है तो धीरे-धीरे उसे करने का अभ्यास करें, लेकिन जबरदस्ती न करें।

खाली होना चाहिए पेट

कभी भी खाना खाने के बाद योग न करें। इससे आपको पाचन संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। जैसे पेट दर्द और मतली का सामना करना पड़ता है। यदि आपको रात के समय योग करना है तो खाने के बाद कम से कम 3-4 घंटे का गैप रखें। इसके अलावा योग के एकदम बाद भी खाना खाने और पानी पीने से बचना चाहिए। शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए योगाभ्यास से 1 घंटा पहले पानी पी लें। बता दें जो लोग सुबह योगाभ्यास करना चाहते हैं, उनके लिए बेहतर होगा कि वे अपने योगाभ्यास से कम से कम 45 मिनट पहले केला और जामुन जैसे अन्य फल खा लें। योग करने के पौन घंटे पहले यह चीज खाने से एनर्जी बनी रहती है। वहीं योग करते समय कभी भी पानी पीने की गलती न करें। ऐसा करने से सेहत को कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं।

बीमारी के दौरान करें सिर्फ ध्यान

यदि आप बीमार हैं तो योग करने की जगह सिर्फ ध्यान केंद्रित करें। योग करने से आपको परेशानी हो सकती है। इसलिए सिर्फ ध्यान करें, ताकि इससे आपको मानसिक रूप से मजबूती मिले। क्योंकि जो लोग डायबिटीज, हृदय रोगों या अर्थराइटिस से ग्रस्त है, उन्हें योग करने से पहले अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना आवश्यक है। ऐसे में डॉक्टर या फिर किसी योग एक्सपर्ट के सुझाव के अनुसार योगासनों का अभ्यास करना चाहिए।

दूसरों से दूरी बनाए रखें

अक्सर लोग योग क्लास में गहरी दोस्ती दिखाने लगते हैं। वह भी वहीं अपनी चटाई रखेंगे, जहां उनके दोस्त ने रखी होगी, जो कि बिल्कुल गलत है। योग के कुछ आसन ऐसे भी होते हैं जिनके लिए ज्यादा जगह की जरूरत होती है इसलिए कोशिश करें गैप बनाकर रखने की।

सही जगह पर करें योग

मन को शांत रखने और योग पर फोकस करने के लिए किसी खास जगह का चयन करे। इससे योग में स्थिरता लाई जा सकती है। साथ ही योगासनों को आसानी से करने में भी मदद मिलती है। अपनी सुविधा के अनुसार इनडोर या आउटडोर किसी भी जगह को चुनें। क्योंकि योग करने का पहला नियम यही है कि इसे कभी भी बंद कमरे में न करें। योग हमेशा ऐसी जगह पर करना चाहिए, जहां खुली हवा आती-जाती हो। इसके साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि शोरगुल वाली जगह पर योग करने से उचित लाभ नहीं मिलेगा। इसलिए एक अच्छी तरह से चुना गया वातावरण शारीरिक आराम, मानसिक ध्यान और अभ्यास के समग्र आनंद को काफी हद तक बढ़ा सकता है, जिससे योग प्रशिक्षक और छात्र समान रूप से योग के साथ एक अद्भुत संबंध विकसित कर सकते हैं।

हंसना मना है

मैडम- क्लास में जो बेवकूफ हो वो खड़ा हो जाए। पप्पू मसूमियत से खड़ा हो गया मैडम- क्या तुम बेवकूफ हो? पप्पू- नहीं मैडम आप अकेली खड़ी थीं इसलिए मुझे अच्छा नहीं लगा...

दो लड़कियां बस में सीट के लड़ रही कंडक्टर- अरे क्यों लड़ रही हो, जो उम्र में सबसे बड़ी है वो बैठ जाए फिर क्या, पुरे रस्ते दोनों खड़ी ही रही.....

बाबा घंटू- नंबर वाला चश्मा... उतारने का घरेलू उपाय, पहले दायें हाथ में दाई डंडी पकड़े फिर बायें हाथ में बाईं डंडी पकड़े धीरे से चश्मा आगे की तरफ खींचे चश्मा उतर जायेगा....

भिखारी- पहले आप 10-10 रुपए देते थे, अब सिर्फ 1रुपए का सिक्का? रमेश - बाबा पहले मैं कुंवारा था अब शादीशुदा हूं, भिखारी- श्रम नहीं आती मेरे पैसो से अपने बीवी- बच्चों को पाल रहा है....

जीजा अपनी साली के साथ चैटिंग करते हुए जीजा - वाह तुम तो अपनी बहन से भी ज्यादा खुबसूरत हो... साली - जीजू आप बड़े वो हो। जीजा- अच्छा ये तो बताओ तुम इतनी खुबसूरत कैसे हो? आखिर क्या इस्तेमाल करती हो? साली - फोटोशॉप और कैमरा फ़िल्टर जीजा बेहोश...

कहानी | मौत का सौदागर

एक बार की बात है, एक व्यक्ति सुबह-सुबह उठ कर अखबार पढ़ रहा था, तभी अचानक उसकी नज़र एक शोक सन्देश पर पड़ी। वह उसे देख दंग रह गया , क्योंकि वहां मरने वाले की जगह उसी का नाम लिखा हुआ था। खुद का नाम पढ़कर वह आश्चर्यचकित तथा भयभीत हो गया। उसे यकीन नहीं हो रहा था कि अखबार ने उसके भाई लुडविग की मरने की खबर देने की जगह खुद उसके मरने की खबर प्रकाशित कर दी थी। खैर, उसने किसी तरह खुद को संभाला, और सोचा, चलो देखते हैं की लोगों ने उसकी मौत पर क्या प्रतिक्रियाएं दी हैं। उसने पढ़ना शुरू किया, वहां लिखा था, मौत का सौदागर मर चुका है। यह उसके लिए और बड़ा आघात था, उसने मन ही मन सोचा, क्या उसके मरने के बाद लोग उसे इसी तरह याद करेंगे? यह दिन उसकी ज़िन्दगी का टर्निंग पॉइंट बन गया, और उसी दिन से डायनामाइट का यह अविष्कारक विश्व शांति और समाज कल्याण के लिए काम करने लगा। और मरने से पहले उसने अपनी अकूत संपत्ति उन लोगों को पुरस्कार देने के लिए दान दे दी जो विज्ञान और समाज कलायन के क्षेत्र में उत्कृष्ट काम करते हैं। मित्रों, उस महान व्यक्ति का नाम था, ऐल्फ्रेड बर्नार्ड नोबेल और आज उन्हीं के नाम पर हर वर्ष नोबेल प्राइज दिए जाते हैं। आज कोई उन्हें मौत के सौदागर के रूप में नहीं याद करता बल्कि हम उन्हें एक महान वैज्ञानिक और समाज सेवी के रूप में याद किया जाता है। जीवन एक क्षण भी हमारे मूल्यों और जीवन की दिशा को बदल सकता है, ये हमें सोचना है की हम यहां क्या करना चाहते हैं? हम किस तरह याद किये जाना चाहते हैं और हम आज क्या करते हैं यही निश्चित करेगा की कल हमें लोग कैसे याद करेंगे! इसलिए , हम जो भी करें सोच-समझ कर करें, कहीं अनजाने में हम मौत के सौदागर जैसी यादें ना छोड़ जाएं।

7 अंतर खोजें

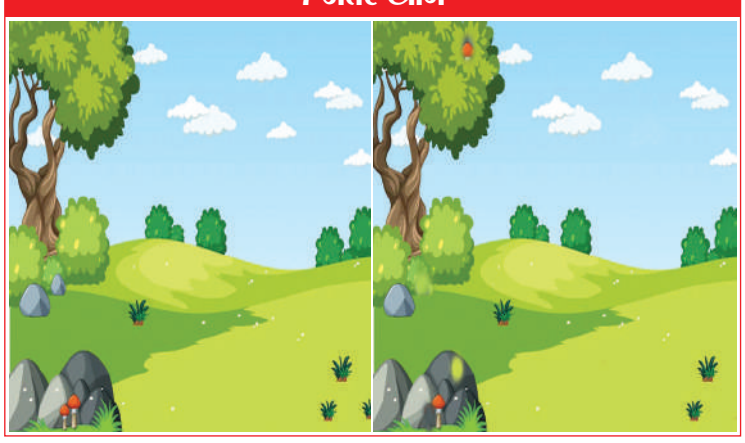

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

वृषभ

शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा।

मिथुन

धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कर्क

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह

संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी।

तुला

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु

कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। लाभ होगा।

कुम्भ

सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मीन

शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें।

सुप्रीम कोर्ट में निमृत कौर संग हो गई थी गंदी हरकत

बॉलीवुड मसाला

बॉलीवुड हो या फिर टीवी सेलिब्रिटीज... कई एक्ट्रेसेज ने मोलेस्टेशन का सामना किया है और वे खुलकर इंटरव्यूज में इसका खुलासा कर चुकी हैं। हाल ही में, निमृत कौर अहलूवालिया ने अपने साथ हुए गंदी हरकत के बारे में बताया है। हैरान करने वाली बात यह है कि निमृत के साथ मोलेस्टेशन सुप्रीम कोर्ट में हुई।

बिग बॉस सीजन-16 में नजर आ चुकीं निमृत कौर अहलूवालिया ने बताया कि एक बार एक शख्स ने उनके साथ सुप्रीम कोर्ट के अंदर गंदी हरकत की थी, जिससे वह अंदर से सहम गई थीं और रोने लगी थीं। उस वक्त वह सिर्फ 19 साल की थीं।

हाउटरफ्लाई के साथ बातचीत में निमृत कौर अहलूवालिया ने उस अनुभव को शेयर करते हुए कहा, पहले मुझे महसूस हुआ कि किसी ने अपना हाथ मेरे बट पर रखा है। मुझे लगा कि मैं इस बारे में बहुत ओवरथिंकिंग कर रही हूं क्योंकि हर कोई मेरे नजदीक था। मैंने पीछे देखा और वह आदमी सीधे सामने देख रहा था-आंख से आंख नहीं मिला रहा था या मेरी मौजूदगी को भी स्वीकार नहीं कर रहा था।

सहम गई थीं निमृत

निमृत कौर अहलूवालिया ने आगे कहा, मैं थोड़ा परेशान होने लगी और सोचा, ठीक है, मुझे बस अपनी पोजीशन बदल लेनी चाहिए। फिर मैंने महसूस किया कि किसी ने मेरे हाथ को छुआ और यह फिर से वही आदमी था। वह मेरे साथ पीछे से आगे बढ़ा था, फिर उसने फिर से मेरे बट को छुआ। मैं अपनी आंखों में आंसू महसूस कर सकती थी, मैं सदमे में आ गई थी।

निमृत कौर ने आगे बताया कि वह अंदर से इतना सहम गई थीं और अनकंफर्टेबल हो गई थीं, तब एक सीनियर वकील ने उन्हें नोटिस किया और मदद के लिए आगे आईं। बाद में वकील ने उन्हें फटकार लगाई और उसे तमाचा मारा। यही नहीं, पुलिस से भी उसकी शिकायत की गई। उन्होंने कहा कि आपको मेंटली एहसास होता है कि आप सुप्रीम कोर्ट में हैं तो आप सेफ हैं लेकिन फिर भी ऐसा हो गया।

फैंस को लगा झटका, हेराफेरी-3 से बाहर हुए परेश रावल

अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी हेरा फेरी को लेकर हैरान करने वाली खबर आई है। इस फिल्म में परेश रावल के बाबूराव गणपतराव आप्टे का कैरेक्टर उनके फैंस बेहद पसंद करते हैं। फिल्म को लेकर डायरेक्टर प्रियदर्शन ने जनवरी 2025 में पुष्टि कर दी थी कि इसका तीसरा पार्ट ऑफिशियली शुरू हो चुका है।

इसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई जब उन्हें पता चला कि इसमें वही तिकड़ी वापस आ रही हैं। यानी अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी की तिकड़ी।

बॉलीवुड हंगामा से खुद परेश रावल ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि वो अब हेरी फेरी की तीसरी किस्त में नहीं दिखने वाले। उन्होंने फिल्म से उनके बाहर जाने के सवाल पर कहा, हां, ये सच है। फिल्म क्रिटिक सुमित कादेल ने भी सोशल मीडिया पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी है और बताया है कि परेश रावल ने क्रिएटिव डिफरेंसेस के चलते फिल्म से किनारा कर लिया है। बॉलीवुड हंगामा ने अपने अंदरूनी सूत्र को कोट करते हुए लिखा है, एक समय ऐसा भी था जब अक्षय कुमार 2022 में फिल्म से बाहर हो गए थे। अक्षय फिल्म की जान हैं इसलिए इस खबर से फैंस का दिल टूट गया था। लेकिन शुक्र है कि उनकी फिर से वापसी हो गई है। इसे देखते हुए हमें उम्मीद है कि परेश रावल भी फिल्म में दोबारा वापसी कर सकते हैं। कल्ट कॉमेडी हेरा फेरी सीरीज की पहली फिल्म साल 2000 में और दूसरी 2006 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के हर कैरेक्टर चाहे वो राजू हो या फिर बाबूराव गणपतराव आप्टे आज भी लोगों को याद हैं। सबसे खास बात ये है कि इंटरनेट की दुनिया में सबसे ज्यादा मीम्स भी इसी फिल्म के कैरेक्टर्स पर बनते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

टीवी से भी बुरा हाल है ओटीटी प्लेटफार्म्स का : अनुराग कश्यप

अनुराग कश्यप मुंबई छोड़कर साउथ में शिफ्ट हो गए हैं। अब वो साउथ सिनेमा की कई सारी फिल्मों में एक्टिंग करते नजर आते हैं। मगर बीच-बीच में वो बदलते सिनेमा और फिल्ममेकिंग पर भी बात करते हैं। अनुराग अक्सर अपने बयानों से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और बॉलीवुड पर उनका एक कमेंट काफी वायरल हो रहा है। अनुराग द हिंदू के साथ खास बातचीत करने पहुंचे जहां उन्होंने इंडियन सिनेमा से जुड़े कई मुद्दों पर बात की। फिल्ममेकर इस बीच साउथ सिनेमा की तारीफ करते और बॉलीवुड इंडस्ट्री में कंटेंट की कमी पर भी बात करते नजर आए। अनुराग का कहना है कि आज के समय में बड़े-बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्कर्म्स सिर्फ सब्सक्रिप्शन और प्रॉफिट के ही पीछे भाग रहे हैं जिसके कारण उनका कंटेंट टेलीविजन से भी बदतर हो गया है। अनुराग ने नेटफ्लिक्स के साथ काम करने पर कहा, जब नेटफ्लिक्स आया और हमने सेक्रेड गेम्स और लस्ट स्टोरीज जैसा कंटेंट बनाया, तब हमें लगा कि ये हमारे लिए एक मौके की तरह है। वो एक मौका दिखा, हमने उनके साथ बहुत अच्छा काम किया। लेकिन धीरे-धीरे कोविड के दौरान सबकुछ दोबारा पलट गया। अब जो वो लोग कर रहे हैं वो टेलीविजन से भी बदतर है। अब आप वहां जाएंगे और वो आपको बस बेवकूफ बनाएंगे। अंत में ये सभी कंपनीज चाहे वो नेटफ्लिक्स, अमेजॉन प्राइम, एप्पल हो वो इंडिया आना चाहते हैं क्योंकि ये सब्सक्रिप्शन का नया खेल है। वो सिर्फ सब्सक्रिप्शन देख रहे हैं। 140 करोड़ की पॉपुलेशन वाले देश में उन्हें सिर्फ अपना सब्सक्रिप्शन बढ़ाना है। वो सभी के पास जाना चाहते हैं और किसी को भी नाराज नहीं करना चाहते। उन्हें कोई आर्ट या सिनेमा नहीं बनाना, उन्हें सिर्फ कंटेंट बनाना है। वो सभी को कंटेंट दिखाना चाहते हैं, यहां तक कि सड़क पर चल रहे आदमी को भी। वो खुश हैं कि लोग उनका शो मोबाइल फोन पर देख रहे हैं। अनुराग ने आगे बॉलीवुड इंडस्ट्री में कंटेंट की कमी पर भी कमेंट किया। उनका कहना है कि बॉलीवुड इस समय काफी कंफ्यूज है और कुछ भी नया नहीं बना रहा है। अनुराग ने कहा, बॉलीवुड इस समय काफी कंफ्यूज है। अगर वो लोग सिर्फ खान्स (शाहरुख, सलमान, आमिर) पर निर्भर रहते, तो शायद इंडस्ट्री अभी चल रही होती। वो अभी कुछ नया नहीं बना रहे हैं और उन्हें नहीं पता कि अभी आगे क्या करना है।

इस इंसान पर जिंदा रहते 3 बार गिरी आसमानी बिजली, मरने के बाद भी नहीं छोड़ा पीछा!

बारिश का जब मौसम होता है, तब आसमान में काले बादल, ठंडी हवाएं और बिजली कड़कने की आवाज चारों तरफ गूंजती है। कई बार हम सोचते हैं कि अगर आसमानी बिजली गिर जाए तो क्या होगा? साफ तौर पर मौत निश्चित है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके ऊपर एक-दो बार नहीं, बल्कि कई बार आसमानी बिजली गिरी। वो जहां जाता था, बिजली मानो उसका पीछा करती। उस शख्स का नाम था वाल्टर समरफोर्ड। पेशे से ब्रिटिश सैनिक वाल्टर की कहानी आज भी लोगों को डरा देती है। इसे बदकिस्मती नहीं कहेंगे तो और क्या कहेंगे, जिसकी वजह वो दुनियाभर में आज भी फेमस है।

बता दें कि ब्रिटेन के रहने वाले वाल्टर सेना में अफसर थे। 1918 में पहले विश्व युद्ध के दौरान वो बेल्जियम में तैनात थे। एक दिन घुड़सवारी करते वक्त अचानक आसमानी बिजली उन पर गिर पड़ी। हादसा इतना भयानक था कि उनकी कमर से नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। कई महीनों तक वो बिस्तर पर रहे, लेकिन हिम्मत नहीं हारी और ठीक हो गए। मगर इस हादसे के बाद उन्हें सेना से रिटायर कर दिया गया। सबने सोचा कि अब उनकी जिंदगी शायद सामान्य हो जाएगी, लेकिन बिजली ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। वाल्टर ने नई शुरुआत के लिए कनाडा का रुख किया। लेकिन वहां पर भी उनकी किस्मत खराब निकली। साल 1924 में एक दिन वो मछली पकड़ने गए, तभी उनके ऊपर फिर से आसमानी बिजली गिरी। इस बार उनके शरीर का दाहिना हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। लेकिन एक बार फिर वो ठीक होने की जद्दोजहद में लग गए।

आपको यकीन नहीं होगा, लेकिन 6 साल बाद यानी 1930 में वाल्टर को तीसरी बार बिजली ने अपना निशाना बनाया। इस बार हादसा इतना गंभीर था कि दो साल बाद वाल्टर की मौत हो गई। लेकिन हैरानी की बात ये है कि मरने के बाद भी बिजली ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। 1936 में वाल्टर की कब्र पर आसमानी बिजली गिरी और उसे तहस-नहस कर दिया। लोगों का कहना है कि हर 6 साल में बिजली उनकी कब्र को निशाना बनाती है और ये सिलसिला आज तक चल रहा है। सोशल मीडिया पर वाल्टर की ये कहानी खूब वायरल हो रही है। लोग हैरान हैं कि ऐसा कैसे हो सकता है।

अजब-गजब | खानदानी चोर हैं यहां के लोग

दादा भी चोर, पापा भी चोर, पोता भी चोर जमानत के लिए अलग से रखते हैं पैसा

चोरों की कहानियां तो आपने खूब सुनी होंगी, लेकिन क्या आपने कभी एक ऐसे गिरोह के बारे में सुना है जहां पूरा गिरोह चोर ही नहीं खानदानी चोर है? अगर नहीं तो चलिए हम आपको बताते हैं इस चोर गांव का राज। हम बात कर रहे हैं तमिलनाडु के श्रीरंगम तालुका स्थित रामजी नगर गांव की, जहां चोरी करना एक परंपरा और पेशा माना जाता है। इस गांव का एक पूरा गिरोह पीढ़ी दर पीढ़ी न केवल चोरी कर रहा है, बल्कि उसे धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यता मानता है। रामजी नगर के इस गिरोह की खासियत यह है कि वे चोरी को सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि पूर्वजों से प्राप्त एक परंपरा मानते हैं। दादा ने किया, पिता ने निभाया और अब पोता उसे आगे बढ़ा रहा है। जब भी ये लोग चोरी के लिए गांव से बाहर निकलते हैं, वे सबसे पहले खास पूजा-पाठ और उपवास करते हैं। वे मानते हैं कि अगर ईश्वर और पूर्वज प्रसन्न हैं, तो चोरी अवश्य सफल होगी। यहां तक कि चोरी पर जाने से पहले ये लोग अपने पूर्वजों से आशीर्वाद मांगते हैं, जैसे कोई किसान अपने हल को खेत में चलाने से पहले धरती मां से प्रार्थना करता है।

गिरोह की प्लानिंग भी किसी प्रशिक्षित अपराधी से कम नहीं। ये लोग पहले उस इलाके का गहराई से रिसर्च और जानकारी लेते हैं, जहां चोरी करनी है। ये लोग महंगी कारों को अपना प्रमुख निशाना बनाते हैं। जहां भी कोई लग्जरी गाड़ी दिखी, गिरोह के सदस्य वहां पहुंचकर मौका देखते हैं। फिर पत्थरों या विशेष औजारों से कार की खिड़की तोड़ते हैं और अंदर रखा कीमती सामान लैपटॉप, नकदी, मोबाइल, घड़ी लेकर फरार हो जाते हैं। ये सब इतनी सफाई से करते हैं कि आसपास के लोग कुछ समझ भी नहीं पाते। इस गिरोह की एक और दिलचस्प बात यह है कि ये आपस में कोडवर्ड में बात करते हैं। यानी बातचीत किसी आम भाषा में नहीं, बल्कि एक खास लैंग्वेज में होती है जिसे गांव के बाहर के लोग समझ नहीं सकते। इससे पुलिस को इनके नेटवर्क का पता लगाने में काफी समय लग जाता है। चोरी के बाद ये लोग न केवल चोरी के माल को बराबर-बराबर बांटते हैं, बल्कि हर सदस्य कुछ राशि अलग रखता है। ये राशि वे लोग अगर गिरफ्तार या पकड़े जाएं तो जमानत के लिए रखते हैं। जिससे जमानत के समय उन्हें तो पैसे की कमी से परेशानी नहीं होती।

हनुमान बेनीवाल के बयान पर राजस्थान में सियासी बवाल

» भाजपा ने कहा- इतिहास से अनभिज्ञ हैं माननीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागौर। राजस्थान में एसआई भर्ती रद्द करने की मांग को लेकर शहीद स्मारक, जयपुर में धरने पर बैठे नागौर से सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख हनुमान बेनीवाल का एक बयान अब विवादों में घिर गया है। मंगलवार देर रात उन्होंने राजस्थान के इतिहास को लेकर टिप्पणी की, जिसे लेकर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। हनुमान बेनीवाल ने कहा कि राजस्थान के इतिहास में गिने-चुने लोगों ने ही लड़ाइयां लड़ी हैं। महाराजा सूरजमल और कुछेक को छोड़ दें तो अधिकतर मामलों में सेटलमेंट और एडजस्टमेंट ही हुए हैं। मुगलों की सेना जब शादी के लिए आती थी तो लोग 70 किलोमीटर पहले जाकर बोलते थे कि हम खुद लड़की लेकर वहीं आ रहे हैं।

बेनीवाल के इस बयान को लेकर चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय सिंह खींवसर ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इतिहास से अनभिज्ञ, ज़मीर से रिक्त और विचारों से दरिद्र हो चुके हैं माननीय...इतना ही नहीं, धनंजय सिंह ने एक लंबा पोस्ट लिखकर बेनीवाल की बयानबाजी पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा कि आपके बार-बार दिए जा रहे आधारहीन और विकृत बयानों से साफ हो गया है कि न तो आपको भारत के गौरवशाली इतिहास की समझ है और न ही राजस्थान की माटी की कोई अनुभूति। राजस्थान के इतिहास पर आपकी सस्ती राजनीति का असर रेगिस्तान में एक बूंद पानी जितना भी नहीं होगा।

बयान पर बढ़ सकता है विवाद

राजस्थान के इतिहास और शौर्यगाथाओं को लेकर बेनीवाल के बयान पर न केवल राजनीतिक, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी विरोध के सुर सुनाई देने लगे हैं। माना जा रहा है कि यह मुद्दा आगे और तूल पकड़ सकता है, खासकर तब जब प्रदेश में युवाओं के बीच रोजगार और भर्ती परीक्षाओं को लेकर असंतोष पहले से ही है।

देश के इतिहास से राजस्थान को निकाल दें, तो इतिहास सिर्फ एक सामान्य कथा

उन्होंने आगे लिखा कि अगर भारत के इतिहास से राजस्थान को निकाल दें, तो इतिहास सिर्फ एक सामान्य कथा बनकर रह जाएगा। लेकिन आप जैसे लोग न केवल अनपढ़ता का प्रचार करते हैं, बल्कि अपनी राजनीति चमकाने के लिए युवाओं को भड़काकर समाज में नफरत फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। यह न प्रयास सफल होगा, न ही समाज इसे स्वीकार करेगा। आप संविधानिक पद पर हैं, लेकिन आपकी भाषा और सोच उस मर्यादा के बिल्कुल विपरीत है। इतिहास से खेलने वालों को इतिहास ही कठोर सजा देता है और राजस्थान का इतिहास न्याय भी शौर्य के साथ करता है।

मूलनिवासियों को बांटने की कोशिश कर रही भाजपा : विनोद

» चंपाई सोरेन के बयान पर जेएमएम का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में पक्ष-विपक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो चुकी है। भाजपा नेता सह पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दिया जा रहा है और केंद्र सरकार से एएसटीएफ गठन की मांग की है। चंपाई सोरेन के बयान पर पलटवार करते हुए झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने भाजपा पर समाज को बांटने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठ हुई है तो इसके लिए जिम्मेदार केंद्र सरकार है। झारखंड की राजनीति में बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा एक बार फिर चर्चा का विषय बन चुका है।

दरअसल, पिछले दिनों भाजपा नेता सह पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने झारखंड सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा था कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को झारखंड में संरक्षण दिया जा रहा है। राज्य सरकार इसके लिए दोषी है। इसके साथ-साथ उन्होंने केंद्र सरकार से स्पेशल टास्क फोर्स बनाने की मांग की थी।वहीं, अब इस पर झामुमो केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को राज्य की जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है। भाजपा सिर्फ अलगाव की राजनीति में विश्वास करती है। उन्होंने भाजपा पर तंज कसा कि बांग्लादेशी घुसपैठ के नाम पर झारखंड के आदिवासियों और मूलनिवासियों को बांटने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्र सरकार के स्पेशल टास्क फोर्स के गठन का इरादा सिर्फ और सिर्फ आदिवासी समाज को डराने और कमजोर करने का एक षड्यंत्र है।

अगर बांग्लादेशी घुसपैठ हुई तो इसकी जिम्मेदार केंद्र की है

महासचिव विनोद पांडेय ने चंपाई सोरेन के बयान पर टिप्पणी कर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर घुसपैठ हुई है तो इसके लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा पूरी तरह केंद्र सरकार का विषय है। भाजपा को अपनी गलती माननी चाहिए और इस विषय पर जांच कर कदम उठाने चाहिए। लेकिन अपनी गलती का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की भाजपा की पुरानी आदत रही है।

भोपाल में भाजपा नेताओं के लिए कांग्रेस ने करवाया सद्बुद्धि यज्ञ

» विधायक आरिफ मसूद ने सेना पर टिप्पणी का किया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रदेश के भाजपा नेताओं के सेना पर विवादित बयान को लेकर कांग्रेस पार्टी लगातार प्रदेश भर में विरोध कर रही है। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के नेतृत्व में हनुमान मंदिर में सद्बुद्धि यज्ञ कराया गया। तीनों सेना प्रमुख का बैनर लगाकर यज्ञ किया गया। हालांकि, इस दौरान कांग्रेस विधायक खुद दूर बैठे रहे और यज्ञ करते हुए दिखाई नहीं दिए। आरिफ मसूद ने बताया कि ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नवीन निक्की चौबे द्वारा 10 नंबर मार्केट हनुमान जी के मंदिर पर भाजपा नेताओं के लिए सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन किया, जो हिंदू परंपरा में वर्णित एक आध्यात्मिक प्रार्थना और साधना है।

यह यज्ञ विशेष रूप से उन सत्ताधारी नेताओं के लिए समर्पित है, जिन्होंने समय-समय पर भारतीय सेना या उसके उच्च पदस्थ अधिकारियों के बारे में अनुचित और अपमानजनक तथा असंवेदनशील टिप्पणियां की और कर रहे हैं। मसूद ने बताया कि ईश्वर से प्रार्थना है कि ऐसे नेताओं को सद्बुद्धि दे और भारत के प्रधानमंत्री से निवेदन है कि जो नेता लगातार देश और सेना का अपमान कर रहे हैं ऐसे नेताओं पर कार्रवाई करें।

सच को मिली सजा, ईमानदार अफसर हटाया

» भ्रष्टाचार पर किया था वार नगर निगम में लागू की सरकार की जीरो टालरेंस नीति

» सारे भ्रष्टचारियों ने मिलकर करा दिया ट्रांसफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जब एक ईमानदार अफसर व्यवस्था से टकराता है, तो या तो व्यवस्था सुधरती है या फिर वह अफसर खुद सिस्टम की बलि चढ़ जाता है। लखनऊ नगर निगम में कुछ ऐसा ही हुआ। जहां आईएएस इंद्रजीत सिंह और पीसीएस पंकज श्रीवास्तव की ईमानदार जोड़ी ने मिलकर वर्षों से जमी भ्रष्ट परतों को हटाने की कोशिश की, लेकिन नतीजतन एक सच्चे अफसर को उसकी ईमानदारी की कीमत चुकानी पड़ी।

आईएएस इंद्रजीत सिंह ने नगर निगम की कार्यशैली में सुधार की शुरुआत की, पारदर्शिता और जवाबदेही के नए मानक तय किए। उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चले पीसीएस पंकज श्रीवास्तव, जिन्होंने न केवल भूमाफियाओं पर शिकंजा कसा, बल्कि निगम की जमीनों को कब्जामुक्त कराने में भी बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने अधिष्ठान विभाग में व्याप्त ट्रांसफर-पोस्टिंग के भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई और नकेल कसी उन सिफारिशी ताकतों पर, जो सरकारी कामकाज में निजी स्वार्थ घुसेड़ने की कोशिश करती थीं। यह सिर्फ एक अफसर की ट्रांसफर पोस्टिंग की कहानी नहीं है, बल्कि यह उस लखनऊ नगर निगम की विडंबना है, जहां सालों से जमे भ्रष्ट अधिकारी हर सरकार में नई शक्ल में लौट आते हैं। योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के बावजूद ऐसे अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं होती। सवाल यह उठता है कि क्या सरकार की नीतियों का जमीन पर सही क्रियान्वयन हो रहा है? या फिर कुछ अधिकारी अपने रसूख के दम पर हर जांच, हर कार्रवाई से बचे रहते हैं?

झुकने से किया इंकार

पंकज श्रीवास्तव ने बिल्डरों और राजनीतिक दबाव के सामने झुकने से इनकार किया। नगर निगम में दो नंबर के निर्माण कार्यों पर उन्होंने सख्त रुख अपनाया और बड़े बिल्डरों को कानून के दायरे में लाकर खड़ा कर दिया। उनकी सख्ती और ईमानदारी से भ्रष्टाचारियों के पसीने छूट गए। लेकिन यह सब कुछ उन्हें महंगा पड़ा। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के स्थानांतरण के बाद पंकज श्रीवास्तव अकेले पड़ गए और फिर भ्रष्ट तंत्र ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया।

तीन टीमों ने प्लेऑफ के लिए किया क्वालिफाई

» चौथे स्थान के लिए मुंबई, दिल्ली और लखनऊ में टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में रविवार को दो मैचों ने तीन टीमों के लिए प्लेऑफ का रास्ता साफ कर दिया। गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है। वहीं, अब चौथे स्थान के लिए तीन टीमों के बीच टक्कर है। चार टीमें प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी हैं। हालांकि, प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली टीमों का पायदान तय नहीं है और यह आगे के कुछ मुकाबलों के बाद तय हो जाएगा।

जिन तीन टीमों के बीच चौथे स्थान के लिए टक्कर है, उनमें मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स शामिल हैं। आरसीबी का कोलकाता के खिलाफ मुकाबला बारिश से धुल गया था। इससे बेंगलुरु के 12 मैचों में 17 अंक हो गए थे। इसके बाद रविवार को गुजरात ने दिल्ली को और पंजाब ने राजस्थान को हराकर दो-दो अंक बटोरे। इससे गुजरात के 12 मैचों में 18 अंक हो गए। इन तीनों टीमों के अभी दो-दो और मैच बाकी हैं। ऐसे में ये टीमें 20 अंक का आंकड़ा भी पार कर सकती हैं। अन्य टीमों में सिर्फ मुंबई ही है जो 17 अंक को पार सकती है। दिल्ली अधिकतम 17 अंक तक पहुंच सकती है। ऐसे में आरसीबी और पंजाब ने क्वालिफाई कर लिया।

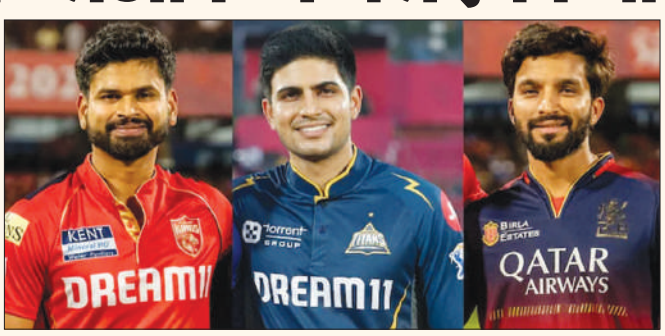

लखनऊ का हैदराबाद से करो या मरो का मुकाबला आज

लखनऊ को आज सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच खेलना है और इस मैच में हार लखनऊ को प्लेऑफ की रेस से बाहर कर देगी। वहीं, प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली टीमों में राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स शामिल हैं। लखनऊ के लिए एकमात्र विकल्प अपने सभी मैच जीतना है। इसके बावजूद उन्हें दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। तीनों मैच में जीत उन्हें अधिकतम 16 अंक तक पहुंचाएगी। इसके बाद उन्हें मनाना होगा कि मुंबई अपने दोनों मैच हार जाए, साथ ही दिल्ली भी कम से कम एक मैच हार जाए। इससे 16 अंक लेकर भी लखनऊ की टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर जाएगी।

डबल इंजन की सरकार अपराध और भ्रष्टाचार में लिप्त : तेजस्वी

» राजग सरकार पर पूर्व डिप्टी सीएम ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुज्जफरपुर। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की कानून-व्यवस्था और सरकार की कार्यशैली पर तीखा हमला बोला है। मुजफ्फरपुर के क्लब परिसर में आयोजित संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में एक इंजन अपराध में लगा है, जबकि दूसरा भ्रष्टाचार में। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि अब उनसे बिहार नहीं संभल रहा, मानो वे अचेत अवस्था में चले गए हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराध का ग्राफ लगातार ऊपर जा रहा है। राज्य में ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब हत्या, लूट, बलात्कार या डकैती की घटना न होती हो। खासकर मुजफ्फरपुर अपराध का केंद्र बन चुका है और सरकार तमाशबीन बनी हुई है।

उन्होंने आगे कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार सिर्फ मलाई खाने में लगी है। एक इंजन अपराध को बढ़ावा दे रहा है तो दूसरा भ्रष्टाचार में डूबा है। इन लोगों से अब बिहार नहीं चल रहा, फिर भी कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं हैं। तेजस्वी यादव ने बीजेपी के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा पर भी तीखा तंज कसते हुए कहा कि डिप्टी सीएम की अपनी ही पार्टी में कोई हैसियत नहीं है। उनके निर्देशों और बयानों का कोई असर नहीं होता। बीजेपी में भी उन्हें कोई गंभीरता से नहीं लेता। दरभंगा में राहुल गांधी पर दर्ज एफआईआर को लेकर भी तेजस्वी यादव ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश के बड़े विपक्षी नेता के खिलाफ केवल इसलिए एफआईआर की गई, क्योंकि उन्होंने दलित और महादलित छात्रों से संवाद किया। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और सरकार की मानसिकता को दर्शाता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह के जनसुराज में शामिल होने पर सियासत तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस मामले में प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि किसके इशारे पर यह मिलन हुआ है, जनता को अच्छे से पता है। दोनों जनता दल यूनाईटेड में थे। तब एक राष्ट्रीय अध्यक्ष थे औ दूसरे उपाध्यक्ष। अब दोनों फिर से एक ही पार्टी में आ गए हैं।

नीतीश ही करेंगे बिहार का नेतृत्व : चिराग पासवान

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने स्पष्ट किया है कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए एनडीए की ओर से नीतीश कुमार ही नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री पद की कोई वैकेंसी नहीं है। चिराग पासवान दरभंगा के एक निजी अस्पताल के उद्घाटन समारोह में शामिल होने पहुंचे थे, जहां कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। जिलाध्यक्ष देवेंद्र झा के नेतृत्व में डॉ. इरशाद आलम और डॉ. मुन्ना खान सहित अन्य नेताओं ने उन्हें पाग, चादर और माला पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए चिराग पासवान ने पटना में लगे उनके मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार वाले पोस्टरों और होर्डिंग्स को लेकर सफाई दी। उन्होंने कहा कि 2025 के चुनाव में बिहार में मुख्यमंत्री की कोई वैकेंसी नहीं है। एनडीए पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगा और नेतृत्व नीतीश कुमार ही करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि आज बिहार में एनडीए का नेतृत्व हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और सहयोग से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे।

प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा कौन होगा, यह पार्टी तय करेगी : अभिषेक बनर्जी

» राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए टीएमसी केंद्र के साथ खड़ी रहेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आतंकवाद पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए विभिन्न देशों के दौरे पर जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से तृणमूल कांग्रेस (टीएमएसी) ने दूरी बना ली है। तृणमूल कांग्रेस ने केंद्र सरकार को जानकारी दी कि यूसुफ पठान या कोई अन्य पार्टी सांसद इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा नहीं रहेगा। पार्टी ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा कौन सांसद होगा, यह पार्टी तय करेगी, केंद्र नहीं। टीएमएसी ने कहा, हमारा मानना है कि राष्ट्र सबसे ऊपर है और हमने अपने महान देश की रक्षा के लिए जो भी कार्रवाई आवश्यक है, उसे करने के लिए केंद्र सरकार को अपना समर्थन देने का वचन दिया है। हमारे सशस्त्र बलों ने हमारे देश को गौरवान्वित किया है और हम उनके प्रति हमेशा ऋणी रहेंगे। विदेश नीति पूरी तरह से केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में है। इसलिए, केंद्र सरकार ही हमारी विदेश नीति तय करे और इसकी पूरी जिम्मेदारी ले।

इस पर टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा, मुझे नहीं पता कि आपको यह जानकारी कहां से मिली। मैं यह बहुत स्पष्ट रूप से कह रहा हूं कि केंद्र सरकार जो भी निर्णय लेगी, जिसका उद्देश्य देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए आतंकवाद का मुकाबला करना है, टीएमसी केंद्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी। हमें किसी भी प्रतिनिधिमंडल के जाने से कोई समस्या नहीं है। हमारी पार्टी का कौन सदस्य प्रतिनिधिमंडल में जाएगा, यह मेरी पार्टी का फैसला है. केंद्र या केंद्र सरकार एकतरफा फैसला नहीं कर सकती कि किस पार्टी से कौन जाएगा।

जासूसी के मामले में एक और युवक गिरफ्तार

» युवक के मोबाइल और सिम से खुल सकते हैं बड़े राज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नूंह (मेवात)। हरियाणा पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसी ने नूंह जिले में पाकिस्तान को सैन्य गतिविधियों की खुफिया जानकारी लीक करने मामले में खंड के गांव कांगरका से तारीफ को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के अनुसार, तारीफ वर्ष 2022-23 और 23-24 में दो बार पाकिस्तान भी जा चुका है। ग्रामीणों द्वारा मिली जानकारी अनुसार, तारीफ के दादा का एक भाई पाकिस्तान में रह रहा है। तारीफ के दो बच्चे हैं, जिनमें एक लड़का और एक लड़की।

बता दें कि दो दिन पहले ही राजाका गांव के अरमान की जासूसी के आरोप में गिरफ्तारी हुई थी। उसके बाद खुफिया एजेंसी पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गई थी। गुप्त सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर तारीफ कांगरका को रविवार के सायं बावला रोड स्थित राधा स्वामी सत्संग भवन के सामने से गिरफ्तार किया गया। तारीफ पर आरोप है कि वह वाट्सऐप के माध्यम से भारतीय सैन्य गतिविधियों से जुड़ी गोपनीय जानकारी दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात दो कर्मचारियों को भेजता था। हरियाणा पुलिस व सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार, उन्हें दो दिन पूर्व गुप्त सूचना मिली थी तारीफ निवासी कांगरका लंबे समय से भारतीय सेना और डिफेंस की तैयारी से जुड़ी संवेदनशील जानकारी दुश्मन देश पाकिस्तान को वाट्सऐप के माध्यम से भेज रहा था। वह लोगों को पाकिस्तान जाने के लिए वीजा लगवाने के लिए मदद करता था।

पाक के दो अलग-अलग नंबरों पर भेजी थी तस्वीरें

बताया गया कि पुलिस टीम को देख तारीफ ने अपने मोबाइल से कुछ संदिग्ध चैटिंग को डिलीट करने का भी प्रयास किया। जांच में यह भी सामने आया कि उसके मोबाइल में पाकिस्तानी वाट्सऐप के कई नंबर थे। कुछ डाटा भी डिलीट पाए गए हैं। उसके मोबाइल फोन की जांच में पाकिस्तानी नंबरों से चैटिंग, फोटो, वीडियो और सैन्य गतिविधियों की तस्वीरें भी मिली हैं, जो तारीफ ने पाकिस्तान के दो अलग-अलग नंबरों पर भेजी थी। जांच में पता चला कि वह दो अलग-अलग सिम कार्ड के माध्यम से पाकिस्तान के नंबरों से लगातार संपर्क में था। पूछताछ करने पर खुलासा हुआ कि पाकिस्तान उच्च आयोग दिल्ली में स्थित कर्मचारी आसिफ बलोच को भारत देश की सैन्य गतिविधियों और खुफिया सूचनाओं को भेजता था।

यूपी में कई जगह बूंदाबांदी की संभावना लू से मिलेगी निजात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में मौसम फिर से करवट लेने वाला है। साथ ही कुछ दिनों के लिए भीषण गर्मी और लू से थोड़ी राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक यूपी में 19 से 23 मई के बीच पूरब से पश्चिम तक तेज हवाओं व गरज चमक के साथ बूंदाबांदी के संकेत हैं।

तराई इलाकों में चल रही पुरवाई और बूंदाबादी का विस्तार अब प्रदेश के पूर्वी-पश्चिमी दोनों संभागों में देखने को मिलेगा। आज यूपी के पूर्वी और तराई इलाकों के 34 जिलों में गरज-चमक के साथ छिटपुट बूंदाबांदी की चेतावनी दी गई है। इस दौरान इलाकों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने का भी पूर्वानुमान है।

रेलवे की समस्याओं के निराकरण पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रेलवे आफिसर इन्कलेव, पचंकुइयां रोड नई दिल्ली में क्षेत्रीय रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिती की 127वीं बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक की अध्यक्षता महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई उक्त बैठक में शौर्य पाण्डेय जी एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे । आनलाईन बुकिंग करने पर रेल उपभोक्ता का जो टिकट वेटिंग मिलती है उस समस्या के समाधान के लिए रेलवे द्वारा क्या उचित कदम उठाए जा रहे है।

जिस पर जवाब में बताया गया कि इंडियन रेलवे ने बहुत सारे प्रयास किए है जैसे कि रेल लाईनो की क्षमता को बढ़ाने के लिए एवं नई लाईनो का निर्माण करना एवं लाईनो डबल करना व सिग्नल मोडिफिकेशन पर कार्य करना और साथ साथ रेल यात्रियों की संख्या बढ़ने के दौरान स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाना शामिल है। दलालो के द्वारा ट्रेन टिकट की काला-बजारी की रोकथाम के लिए क्या कदम उठाए जा रहे है जिस पर बताया गया कि आई.आर.सी.टी.सी ने पी.आर.एस सिस्टम डिजाईन किया है जिसमे कई तरह के वैलिडेशन चेक लगाए गए है जिससे रेलटिकट की काला-बजारी पर अंकुश लगाए जा सके एवं आर.पी.एफ/ कार्मिशियल स्टाफ द्वारा पी.आर.एस. टिकट काऊटर पर लगातार जाँच की जाती है। रेलवे यात्रियों द्वारा जो ट्रेन मे बेड-रोल उपयोग में लाए जाते है उनकी साफ सफाई नियमित होती रहे उस पर क्या कदम उठाए जा रहे है जवाब में बताया गया कि पहली बार इंडियन रेलवे ने जो लिनन बेड-रोल में उपयोग होता।

» क्षेत्रीय रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति की 127वीं बैठक आयोजित

मुंबई दरगाह पर फिलहाल नहीं चलेगा बुलडोजर

» सुप्रीम कोर्ट ने बाले शाह पीर दरगाह की कार्रवाई पर लगाई रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई से सटे मीरा-भायंदर के उत्तन गांव में स्थित बाले शाह पीर दरगाह पर फिलहाल तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने मौजूदा स्थिति को यथावत बनाए रखने का आदेश देते हुए चार हफ्तों तक कोई कार्रवाई न करने को कहा है। अब इस मामले की अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद होगी। यह दरगाह उत्तन के चौक एरिया में लगभग 1,290 वर्ग मीटर यानी करीब दस हजार वर्गफुट जमीन पर बनी हुई है। महाराष्ट्र सरकार का दावा है कि यह ज़मीन राजस्व विभाग की है और इस पर दरगाह के नाम पर अवैध कब्जा किया गया है।

सरकार ने 20 मई तक इस अतिक्रमण को हटाने का आदेश दिया था। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने विधानसभा में इस दरगाह को गिराने की बात कही थी, जिसके बाद इसे गिराने की योजना बनाई गई। इसके विरोध में कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया गया।

मौजूदा स्थिति को यथावत बनाए रखने का आदेश

सुनवाई कर रहे सीजेआई बी.आर. गवई ने याचिका की कॉपी महाराष्ट्र सरकार के वकील को देने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने को कहा। मीरा-भायंदर महानगर पालिका और जिला प्रशासन ने पहले भी कई बार नोटिस जारी किए थे, लेकिन आरोप है कि अवैध निर्माण लगातार बढ़ता गया। अब प्रशासन इसे साफ करने पर अड़ा हुआ है। उनका कहना है कि यह पूरी ज़मीन रेवेन्यू लैंड है, जिस पर धार्मिक आड़ में अतिक्रमण किया गया है। इस दरगाह पर महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध है और साल में एक बार मेला भी लगता है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दरगाह पर बुलडोजर की कार्रवाई टल गई है, लेकिन आने वाले हफ्तों में इस मुद्दे पर बड़ी कानूनी और राजनीतिक बहस की संभावना बनी हुई है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।